मनीक प्रेम सिंह पुत्र रत्ती राम कौम ब्राह्मण साकिन शीना घाट तह: पछाद काईं जो कि पुराजी खसरा नं० ४४, ६०, ६५, ६६, ६८, ७०, ७१, ७७, ७९, ८१, ९६, ९८, ९९/१, ४१०/१०२, १०६, ४११/१०९, ११४, ११५, १२८, १४४, १५२, १७२, १७६/१, ४४०/१७९, १९०/१, १९२, २०१, २०३, २०४, २०५, २०६, २०७, २१६, २३६, २६३, २६४, २७०, २७३, २८९, ३३०, ३३२, ३३३, ३३४, ३३५, ३३६, ३४४, ३४६, ८/२, १२, १६, १९/१, २०, २३, ३४, ४६/२ व खसरा नं० ४३६/९१, ४३९/९४, ४३०/८६/२, ४३१/८७ किते १२ तादादी ७० बीघे धानसेव जमीं ३४॥) माल वाका मौजा शीना घाट ह: ब: नं० ३६० तह: पछाद खास मनलूका व मकबूजा मरी है जो बरुए तकसीम मुन कस्सला ११ ९/०४ बहिस्सा मुशाहिर पुर्ई हुई है जिसमें से पुराजी खसरा नं० ४३६/९१, ४३९/९४, ४३०/८६/२, ४३१/८७ किते ४ तादादी ५ बीघे ३ बिसवे जमीं ३॥) माल नजाद जीवनू, मातूराम पुत्रान पुन्नू कौम महाजन सा: शीना घाट तह: पछाद बदला मु० १००) रु: रहन है इसके इलावा पुर्ई कोई बार जायदाद मरहूना वर नहीं है. जो कि मुझको बिना बर पुदायगी करना व मुसरफ जायज खानगी खुद रुपया की पुराद जरुरत है लिहाजा बकायमी होश व हवास खमसा व सवाते पुकल पुराजी मजकूरा वाला मय जुमला हुकूक हकूक मुतलका पुरा दाखली व खारजी जाहरी व बातनी तवाबी व लवाजिम बदला मु० ५०००) रु: कि बिसक जिस के २५००) रु: सिक्के चेहरे शाही होते है बदस्त महाराज रन्दीप सिंह साहिब खलफ महाराज सूरत सिंह साहिब रईस पुराजम नाहन पुराजी तारीख से रहन बिल कब्जा करके कब्जा मुरतहिनान मुरतहिन ममदूह को दे दिया है पुर्ई जरे समन में से मु० ४०००) रु: बतौर पेशगी वसूल पा लिया है पुर्ई मु: १००) रु: बगरज पुदायगी जिम्मा मातू, पुरातमा राम मुरतहिनान सानिक मुरतहिन हाल के पास बतौर इमानत छोड़ दिया है जो मुरतहिन हाल मुरतहिन सानिक को पुदा करेगा बकाया मु: ६००) रुपये सा: पुफसर रजिस्टरी कुनिन्दा वसूल करेगा पुब मुरतहिन ममदूह को इख्तियार है कि खुद काश्त	नं० २३ रहन नामा बिल कब्जा मु० ५०००) रु:	कायमात पुरायाम्य दस्त्य जी बरमिते नालमाली ६ पुरु पुराज बतारीख ७ मई सं. १९४१ मुताबिक २३ सितम्बर सं. २००६ दिन वीरवार वक्त १२½ बजे बाद दोपहर यह दस्ता बेज मुसम्मी प्रेम सिंह वल्द रत्ती राम जाति ब्रह्मण सा: शीना घाट तह: पछाद ने वास्ते रजिस्टरी व कतए रजिस्टरी तहसील पछाद बका सरपंह में पेश की 5/69 प्रेम सिंह पुत्र ज्ञानचन्द ता हिन्दी

ह: पुन्नो जी सब रजिस्ट्रार पछाद

मुसम्मी प्रेम सिंह वल्द रत्ती राम जाति ब्रह्मण सा: शीना घाट तह: पछाद तकमील कुनिन्दा ने कि जिसको लाल चन्द वल्द लाल हरिचन्द जाति महाजन सा: सरपंह तह: पछाद शनाख्त करता है पुर्ई रबाह शनाख्त ले मैं पुमलेख का रजिस्टरी बजात खुद वाकिफ कामिल हूं तहरीर व तकमील दस्ता बेज हजा से इकरार किया यह दस्ता बेज उक्त प्रेम सिंह को पढ़कर सुनाई व |

	معاملہ اور معاوضہ مندرجہ دستاویز	قیمت اسٹامپ اور کل اخراجات رجسٹری میں ہوئی -
	नं० २३ मंजूर	समझौते के मुताबिक मुझे पूरी तसलीम व वसूल की मेरे रुपये महाराजा सा० रन्धीर सिंह सा० नाहन के पूरे कर्ज रकम किश्तवार मु० ६००) के कर्जदार प्रेम सिंह साहिन को अदा किये। प्रेम सिंह तसील जमींदार द० हिन्दी सा० साधू राम गवाह द० उर्दू

करें किसी दीगर से कारार करावें मुजारान से लगान का कोई वसूल करें मुजारान को बेदखल करावें. दीगर मुजारान को इख्तियार करें बेदखल करें मालगुजारी सरकार अदा करें मुरतहिनान सालिक से फसख करावें मगर मुरतहिनान ममदूह को बिला रजामन्दी मुजाहिर कोई दखल बेदखल करने का कोई हक न होगा शर्त इनमफाल यह ठहरी है कि मुजाहिर अन्दर मियाद पांच साल जारे रहन अदा करके अराजी मरहूना फसख करा लेगा वरना मुरतहिन ममदूह को इख्तियार होगा कि जारे रहन बकाया जायदाद मरहूना व नीज दीगर जायदाद मनकूला व गैर मनकूला हर किसम बजात खास मुजाहिर से जिस तरह सहूलियत खयाल करके वसूल कर लेवें कोई उज्र न होगा महकमा रजिस्टरी

में रजिस्टरी करा देना कागजात माल में इन्तकाल करा देना वरना मुरतहिन ममदूह को जबरन रजिस्टरी कराने व कागजात माल में इन्तकाल कराने का हक होगा मुताहमिल खर्चा में हुआ लिहाजा यह चन्द कलमें बतौर रहन नामा बिल कब्जा तहरीर कर दिये कि सनद रहे और वक्त जरूरत काम आवे. मिती २२ मार्च सं० १९४९.

नोट. खुका नं० ५ का लाटानी लायन में इलकाज (मकबूलेय) कलम जानहै दस्तखत कातिब लबत है. तहरीर लबद.

नोट. कब्जा न मिलने इस्थाम्प (७२) रु० के (७५) रु० का इस्थाम्प लगाया गया. और खुका नं० २५ दूसरी लायन में इलकाज (५६) कलम जानहीका (इलकाज (५२) बेजुल लबद है दस्तखत कातिब लबत है. तहरीर लबद. द० हिन्दी प्रेम सिंह /

मजमून सुनाया गया दरुस्त तसलीम किया. बकलम अमरनाथ अर्जी नवीस नाहन ३४५. मुहर अर्जी नवीस /

गवाह:
सा० अमर चन्द पुत्र कालिया राम
सराफ नाहन
द० उर्दू

गवाह:
सा० सूरज भान पुत्र गोविन्द राम
बैरी नाहन
द० हिन्दी महाजनी भाव इबारत

प्रेम सिंह मिक्र साहिन
द० हिन्दी

Gundra Ram
Tehsildar

द० अन्नजी सा० सब रजिस्ट्रार - ५५५५

दस्तावेज हजा बही नम्बर १ की जिल्द ८ के खुका नं० ६१-६२ पर व नम्बर २२ दफा रजिस्टर हुई / 5/5/49

Gundra Ram.
सा० सब रजिस्ट्रार
५५५५